तानाशाही को हटायें, लोकशाही को विजयी बनायें।

4422

भाइयो और बहनो,

१९७४ के गुजरात आंदोलन से लेकर आज तक देश मे क्या क्या हुआ है, उसे दोहराने की जरूरत नहीं है। तीन वर्षों का इतिहास सरकारी दमन और राष्ट्रीय अपमान का इतिहास है, इस बात का इतिहास है कि किस तरह सत्ता के नशे चूर एक व्यक्ति और उसके पिछलग्गू एक स्वतंत्र देश की जनता के अधिकारो को छीन सकते है, न्यायालयों को पंगु बना सकते है, संविधान को फाडकर फेंक सकते है और देखते लोकतंत्र को समाप्त कर तानाशाही थोप सकते हैं।

आज एक तरफ तानाशाही है और दूसरी तरफ लोकशाही। तानाशाह और कोई नहीं प्रधानमंत्री इंदिराजी स्वयं है। उन्होने अपने पिछले कुकृत्यों से यह स्पष्ट कर दिया है कि अपनी सत्ता के लिए अपने दल की सत्ता के लिए, देश के अमीर वर्ग की सत्ता के लिए जिसकी वे प्रतिनिधि है, जो कुछ करना होगा, वे करने को तैयार है। आपात्काल के दौरान सबसे ज्यादा जुल्म गरीबों और मध्यम वर्गीय जनता पर हुआ। गरीबों की झोपडीयों और घर नष्ट कर दिये गये, ताकि उनके दूहो पर अमीरों के लिए आलीशान भवन और शानदार बाजार बन सके। मजदूरों का हडताल का अधिकार छीना गया, ताकि वे अपनी आवाज न उठा सके। मालिको को मनमानी छंटनी और तालाबंदी की छूट रही, पर मजदूरो, मध्यमवर्गीय जनता के संगठनो को कुचल दिया गया। कीमतें बढ़ती रहीं, पर मंहगाई भत्ता कटता रहा। बोनस खत्म कर दिया गया। जनता के लिए लड़ने वालों को जेलों मे ठूंस दिया गया। सारे देश को जेलखाने मे बदल दिया गया। पशुओं की तरह घेर कर गरीबों की जबरिया नसबंदी की गयी। इस जुल्म का विरोध करने पर जगह जगह लोगों को गोलियो से भून दिया गया। देश भर मे डर और दहशत का राज कायम कर दिया गया।

आज हम एक मोड़ पर खडे है, एक मौका हाथ आया है, जब हम इन सारी काली करतूतो को मिटा सकते है, बंधनों को एक झटके मे तोड़ सकते हं बस, एक काम करना है, इस बार कांग्रेस का दिल्ली पर कबजा मत होने दीजिए। खत्म कर दीजिए कांग्रेसी कुशासन को, उसकी तानाशाही को हमेशा के लिए। जनता पार्टी और उसके समर्थित उम्मीदवारो को वोट देकर लोकशाही को विजयी बनाइए, तानाशाही को हटाइए।

इस बार आप पार्टियों का नहीं, अपना भाग्य निर्णय कर रहे है। भारत का भाग्य निर्णय कर रहे है। जिनको लोकशाही चाहिए, अनतंत्र चाहिए, जनता का राज चाहिए वो जनता पार्टी और उसके द्वारा समर्थित उम्मीदवारो को वोट दे।

मेरा आपसे अनुरोध है कि आप अपने निर्वाचन क्षेत्र से जनता पार्टी के उम्मीदवार को वोट देकर भारी बहुमत से विजयी बनाये।

शुभ कामनाओं सहित,

आपका,

जयप्रकाश नारायण

बंबई,

२२ फरवरी,